ज्योतिष आचार्य एआई रोबोट

दार्शनिक आधार, सामाजिक प्रभाव और भविष्य की संभावनाएं

तेजस्कर पांडे
(ज्योतिषाचार्य)

आधुनिक युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने मानव जीवन के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में गहन प्रभाव डाला है. चिकित्सा में रोग-निदान से लेकर न्यायालयों में डेटा-विश्लेषण, प्रशासन में निर्णय-सहायता से लेकर शिक्षा में व्यक्तिगत शिक्षण तक, एआई ने अपनी उपस्थिति सिद्ध कर दी है. ऐसे समय में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या ज्योतिष जैसे प्राचीन, जटिल और दार्शनिक विषय को भी एआई के माध्यम से विकसित किया जा सकता है? क्या 'ज्योतिष आचार्य एआई रोबोट' का निर्माण संभव है—ऐसा रोबोट जो न केवल जन्मपत्रिका की गणना करे, बल्कि शास्त्रीय नियमों के आधार पर विवेचन प्रस्तुत करे, जीवन-मार्गदर्शन दे, और सांस्कृतिक-आध्यात्मिक संवेदनशीलता के साथ संवाद कर सके? इस प्रश्न का उत्तर सरल 'हाँ' या 'नहीं' में नहीं दिया जा सकता; इसके लिए व्यापक विश्लेषण आवश्यक है.

ज्योतिष का मूल स्वरूप केवल भविष्यवाणी तक सीमित नहीं है. यह समय (काल), कर्म (क्रिया), और परिणाम (फल) के संबंध का दार्शनिक अध्ययन है. भारतीय परंपरा में ज्योतिष को वेदांग कहा गया है—अर्थात् वह वेदों की आँख है. इसका उद्देश्य केवल घटनाओं का पूर्वानुमान करना नहीं, बल्कि जीवन को सम्यक् रूप से समझना और समयानुकूल आचरण करना है. यदि हम एआई ज्योतिष आचार्य की कल्पना करते हैं, तो हमें इस व्यापक दृष्टिकोण को समझना होगा. एआई केवल गणनात्मक शक्ति है; उसमें स्वयं की चेतना या आत्मबोध नहीं होता. वह डेटा, एल्गोरिद्म और पैटर्न के आधार पर निष्कर्ष देता है. अत: ज्योतिष आचार्य एआई रोबोट का निर्माण करते समय हमें यह स्पष्ट करना होगा कि हम उसे किस सीमा तक 'आचार्य' मानते हैं—क्या वह केवल एक उन्नत सॉफ़्टवेयर होगा या वास्तव में मार्गदर्शक भूमिका निभाएगा?

तकनीकी स्तर पर देखा जाए तो ज्योतिष का सिद्धांत भाग—ग्रहों की स्थिति, लग्न, नवांश, दशा, गोचर, पंचांग—पहले से ही कंप्यूटर सॉफ़्टवेयर द्वारा सटीक रूप से किया जा रहा है. आधुनिक खगोल-गणना एल्गोरिद्म ग्रहों की स्थिति को अत्यंत सूक्ष्मता से निर्धारित कर सकते हैं. अत: एआई रोबोट का पहला चरण होगा—सटीक खगोल गणना इंजन. यह इंजन विभिन्न अयनांश, समय-क्षेत्र, देशांतर-अक्षांश, और कैलेंडर प्रणालियों के आधार पर कुंडली का निर्माण करेगा. इसमें गणितीय त्रुटि की संभावना न्यूनतम होगी.

> ज्योतिष आचार्य एआई रोबोट की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता होगी—संवाद क्षमता. ज्योतिष केवल गणना नहीं, बल्कि परामर्श है. जब कोई व्यक्ति अपनी समस्या लेकर आता है, तो वह समाधान के साथ-साथ सहानुभूति भी चाहता है. एआई प्रणाली को प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण (NLP) और भाव-विश्लेषण (sentiment analysis) के माध्यम से उपयोगकर्ता की मानसिक अवस्था समझनी होगी. उदाहरणार्थ, यदि कोई व्यक्ति भयभीत होकर प्रश्न पूछता है— 'क्या मेरी कुंडली में मृत्यु-योग है?'—तो एआई को अत्यंत संतुलित, संवेदनशील और आश्वस्त करने वाली भाषा का उपयोग करना होगा. वह भय उत्पन्न करने के बजाय कर्म, सावधानी और सकारात्मक उपायों पर बल दे.

दूसरा और अधिक जटिल चरण होगा—शास्त्रीय नियमों का डिजिटलीकरण. पारंपरिक ग्रंथों में हजारों श्लोक हैं, जिनमें ग्रह-स्थितियों के विविध संयोजन और उनके फल बताए गए हैं. उदाहरण के लिए, यदि गुरु पंचम भाव में हो तो संतान-सुख, विद्या और धर्म का संकेत देता है; किंतु यदि वह पापग्रहों से दृष्ट या नीच राशि में हो, तो परिणाम बदल सकता है. ऐसे अनगिनत संयोजन हैं. एआई प्रणाली को इन नियमों को तार्किक संरचना में परिवर्तित करना होगा—'यदि-तो' (if-then) नियम, प्रायिकता मॉडल, और संदर्भ-संवेदनशील विश्लेषण के साथ. यह कार्य अत्यंत श्रमसाध्य है क्योंकि शास्त्रीय ग्रंथों में अनेक अपवाद और परिस्थितियाँ वर्णित हैं.

तीसरा स्तर है—अनुभवजन्य डेटा का समावेश. यदि हजारों वास्तविक जन्मपत्रिकाओं और उनके जीवन-घटनाओं का डेटाबेस तैयार किया जाए, तो मशीन लर्निंग मॉडल यह विश्लेषण कर सकते हैं कि कौन-से संयोजन किस प्रकार के परिणामों से अधिक संबंधित हैं. इससे एआई प्रणाली सांख्यिकीय पैटर्न पहचान सकेगी. किंतु यहाँ सावधानी आवश्यक है—मानव जीवन केवल सांख्यिकीय पैटर्न नहीं है. सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और व्यक्तिगत कारक भी परिणामों को प्रभावित करते हैं. अत: एआई मॉडल को बहुआयामी डेटा के साथ प्रशिक्षित करना होगा. नैतिक दृष्टि से यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि एआई ज्योतिष प्रणाली अंधविश्वास को प्रोत्साहित न करे. उसे स्पष्ट रूप से बताना चाहिए कि उसका विश्लेषण संभावनाओं का संकेत है, अंतिम निर्णय और उत्तरदायित्व व्यक्ति के विवेक और कर्म पर निर्भर है. यदि एआई भय या निराशा उत्पन्न करे, तो उसका सामाजिक प्रभाव नकारात्मक हो सकता है. अत: नैतिक-नियंत्रण मॉड्यूल अनिवार्य होगा, जो अनुचित या हानिकारक कथनों को फ़िल्टर करे. विधिक परिप्रेक्ष्य भी विचारणीय है. यदि एआई द्वारा दिए गए परामर्श से किसी व्यक्ति को आर्थिक या मानसिक क्षति हो, तो उत्तरदायित्व किसका होगा? सॉफ़्टवेयर निर्माता का, डेटा प्रदाता का, या उपयोगकर्ता का? इसलिए स्पष्ट अस्वीकरण, उपयोग-शर्तें और नियामक ढाँचा आवश्यक होंगे. भारत जैसे देश में, जहाँ ज्योतिष सांस्कृतिक जीवन का अभिन्न अंग है, इस प्रकार की तकनीक के लिए संतुलित नीति-निर्माण आवश्यक है. दार्शनिक स्तर पर विचार करें तो एआई और ज्योतिष का संयोजन नियति और पुरुषार्थ के प्रश्न को पुनर्जीवित करता है. यदि एआई अत्यधिक सटीक भविष्यवाणी करने लगे, तो क्या मनुष्य अपनी स्वतंत्र इच्छा को सीमित मानने लगेगा? या वह इसे केवल संभावनाओं का संकेत समझेगा? भारतीय दार्शनिक परंपरा में कर्म और पुरुषार्थ का महत्त्व सर्वोपरि है.

होलाष्टक : जानें इन दिनों में नहीं करें ये काम

रंगों के पर्व होली से पहले आने वाली विशेष अवधि को होलाष्टक कहा जाता है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह समय शुभ कार्यों के लिए अनुकूल नहीं माना जाता. ऐसे में जानना जरूरी है कि वर्ष 2026 में होलाष्टक कब से कब तक रहेगा और इस दौरान किन कार्यों से बचना चाहिए. साल 2026 में होलाष्टक 24 फरवरी, मंगलवार को सुबह 7 बजकर 2 मिनट से प्रारंभ होगा.

कब तक रहेगा होलाष्टक?- होलाष्टक फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी से शुरू होकर पूर्णिमा तक चलता है. वर्ष 2026 में यह अवधि 24 फरवरी 2026 से 3 मार्च 2026 तक रहेगी. 3 मार्च को फाल्गुन पूर्णिमा के दिन होलिका दहन के साथ इसका समापन होगा.

होलाष्टक क्यों माना जाता है अशुभ?- पौराणिक कथा के अनुसार दैत्यराज हिरण्यकश्यप ने अपने पुत्र प्रहलाद को भगवान विष्णु की भक्ति से रोकने के लिए कई यातनाएं दीं. अंत में उसकी बहन होलिका प्रह्लाद को गोद में लेकर अग्नि में बैठी, लेकिन वह स्वयं जल गई और प्रह्लाद सुरक्षित रहे. इसी घटना की स्मृति में होलिका दहन किया जाता है. ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार इस अवधि में ग्रहों की स्थिति उग्र मानी जाती है. साथ ही यह मौसम परिवर्तन का समय होता है, जिससे मानसिक और शारीरिक अस्थिरता बढ़ने की संभावना रहती है. इसलिए नए और मांगलिक कार्य टालने की सलाह दी जाती है.

क्या नहीं करना चाहिए?

- विवाह, सगाई या शादी से जुड़ी रस्में
- गृह प्रवेश या नया घर लेना
- नया व्यवसाय शुरू करना
- जमीन या संपत्ति खरीदना
- भवन या मंदिर निर्माण की शुरुआत
- मुंडन या अन्य मांगलिक संस्कार
- लंबी यात्रा या विदेश यात्रा
- बड़े आर्थिक निवेश

मान्यता है कि इस समय शुरू किए गए कार्यों में बाधा या अस्थिरता आ सकती है. हालांकि व्रत, पूजा, जप और आत्मचिंतन के लिए यह समय शुभ माना जाता है.

होली से पहले घर से बाहर कर दें ये चीजें

होली का त्योहार नजदीक आते ही घरों में साफ-सफाई और सजावट का दौर शुरू हो जाता है. वास्तु शास्त्र के अनुसार किसी भी बड़े पर्व से पहले घर की ऊर्जा को शुद्ध करना बेहद जरूरी माना जाता है. मान्यता है कि अगर घर में बेकार, टूटी-फूटी या खंडित वस्तुएं पड़ी रहें, तो वे नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाती हैं. ऐसे में होली से पहले कुछ खास चीजों को घर से बाहर कर देना शुभ माना जाता है.

टूटी-फूटी वस्तुएं- घर में पड़ी टूटी कुर्सी, मेज, इलेक्ट्रॉनिक सामान या अन्य खराब चीजें तुरंत हटा दें. वास्तु के अनुसार ऐसी वस्तुएं आर्थिक रुकावट और मानसिक तनाव का कारण बन सकती हैं.

बंद घड़ी- बंद या खराब घड़ी को घर में रखना शुभ नहीं माना जाता. घड़ी समय और प्रगति का प्रतीक है. बंद घड़ी ठहराव और रुकावट का संकेत

देती है, इसलिए होली से पहले इसे ठीक करवा लें या हटा दें.

टूटे जूते-चप्पल- त्योहार के समय घर में फटे या टूटे जूते-चप्पल रखना अशुभ माना जाता है. यह दरिद्रता और नकारात्मकता का प्रतीक समझा जाता है.

टूटे बर्तन- रसोई घर को समृद्धि का स्थान माना जाता है. टूटे या चिटके बर्तन घर की सकारात्मक ऊर्जा को प्रभावित कर सकते हैं. ऐसे बर्तनों को होली से पहले हटा देना बेहतर होता है.

पूजा घर की खंडित मूर्तियां- पूजा स्थान घर का सबसे पवित्र कोना होता है. अगर वहां टूटी या खंडित मूर्तियां रखी हों, तो उन्हें विधि-विधान से किसी पवित्र नदी या जल में प्रवाहित कर देना चाहिए. मान्यता है कि खंडित मूर्तियां घर की ऊर्जा को प्रभावित करती हैं. उदाहरण के लिए, यदि घर में लक्ष्मी या गणेश की खंडित प्रतिमा हो, तो उसे पूजा स्थान पर नहीं रखना चाहिए.

रंगभरी एकादशी : पूजा विधि, शुभ मुहूर्त और जानें उपाय

फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को रंगभरी एकादशी कहा जाता है. इसे आमलिका एकदशी के नाम से भी जाना जाता है. यह व्रत अन्य एकादशियों से विशेष माना जाता है, क्योंकि इस दिन विष्णु के साथ-साथ शिव और पार्वती की भी पूजा की जाती है. मान्यता है कि इसी दिन भगवान शिव माता पार्वती का गौना कराकर पहली बार काशी लाए थे, इसलिए वाराणसी में इस पर्व का विशेष महत्व है. एकादशी तिथि 27 फरवरी को रात 12:33 बजे से शुरू होकर दिन रात 10:32 बजे तक रहेगी. इन समयों में पूजा करना अत्यंत फलदायी माना जाता है.

व्रत पारण समय- व्रत का पारण 28 फरवरी 2026 को सुबह 6:47 बजे से 9:06 बजे के बीच किया जाएगा. द्वादशी तिथि में विधि-विधान से पारण करना शुभ माना गया है.

रंगभरी एकादशी का महत्व- धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन व्रत और पूजा करने से मन को शांति, घर में सुख-समृद्धि और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है. आमलकी एकादशी होने के कारण आंवले के पेड़ की पूजा भी विशेष फलदायी मानी जाती है.

पूजा विधि- सुबह स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करें. घर के मंदिर में दीप जलाकर भगवान विष्णु को पीले फूल, तुलसी दल अर्पित करें. शिवजी को बेलपत्र और जल चढ़ाएं तथा माता पार्वती को सुहाग सामग्री अर्पित करें. 'ऊं नमो भगवते वासुदेवाय' और 'ऊं नम: शिवाय' मंत्र का जाप करें. संभव हो तो विष्णु सहस्त्रनाम या शिव चालीसा का पाठ करें. अंत में आरती कर सुख-शांति की प्रार्थना करें.

क्या करें, क्या न करें? इस दिन व्रत रखें, दान-पुण्य करें और जरूरतमंदों की सहायता करें. झूठ, क्रोध और नकारात्मक विचारों से बचें. मांस-मदिरा का सेवन न करें.

शनि की अशुभ दशा से राहत के लिए करें ये 7 असरदार उपाय

> अशुभ शनि की स्थिति में करियर में अस्थिरता, व्यापार में नुकसान, कानूनी उलझन, पारिवारिक विवाद या बार-बार रुकावटें देखने को मिल सकती हैं. कई लोगों को ऐसा महसूस होता है कि मेहनत के अनुरूप परिणाम नहीं मिल रहे हैं.

ज्योतिष में शनि को कर्मफलदाता ग्रह माना जाता है. मान्यता है कि जब कुंडली में शनि की स्थिति कमजोर या अशुभ होती है, तो व्यक्ति को मेहनत के बावजूद देरी, बाधाओं और मानसिक दबाव का सामना करना पड़ सकता है. हालांकि यह पूरी तरह आस्था का विषय है, लेकिन शनिवार को किए जाने वाले कुछ उपाय मानसिक संतुलनसकारात्मक सोच बनाए रखने में सहायक माने जाते हैं.

कुंडली में कमजोर शनि के संकेत- ज्योतिष शास्त्र के अनुसार अशुभ शनि की स्थिति में करियर में अस्थिरता, व्यापार में नुकसान, कानूनी उलझन, पारिवारिक विवाद या बार-बार रुकावटें देखने को मिल सकती हैं. कई लोगों को ऐसा महसूस होता है कि मेहनत के अनुरूप परिणाम नहीं मिल रहे हैं.

शनिवार को अपनाएं ये आसान उपाय

काला नमक या सुरमा दबाना- शनिवार के दिन काला नमक या काला सुरमा किसी सुनसान स्थान पर दबाना नकारात्मक ऊर्जा दूर करने का प्रतीकात्मक उपाय माना जाता है.

काली वस्तुओं का दान- उड़द दाल, काला चना, काली मिर्च या काले वस्त्र का दान जरूरतमंद व्यक्ति को करें. दान करते समय सेवा भाव रखना महत्वपूर्ण माना गया है.

बांसुरी में गुड़ भरकर रखना- एक छोटी बांसुरी में गुड़ भरकर किसी एकांत स्थान पर दबाना आर्थिक स्थिरता के लिए किया जाता है. इसे श्रद्धा और गोपनीयता के साथ करने की परंपरा है.

बादाम का उपाय- शनिवार को 12 बादाम काले कपड़े में बांधकर घर की दक्षिण दिशा में रखें. अगले शनिवार इन्हें बहते जल में प्रवाहित कर नए बादाम रखें. यह प्रक्रिया 7 या 11 शनिवार तक की जाती है.

व्रत और मंत्र जाप- शनिवार का व्रत रखकर 'ऊं शं शनैश्चराय नम:' मंत्र का 108 बार जाप करना शुभ माना जाता है. कई श्रद्धालु इस दिन शानि देव की पूजा कर सरसों के तेल का दीपक जलाते हैं और सूर्यास्त के बाद भोजन करते हैं.

पानी से भरा घड़ा रखना- किसी महत्वपूर्ण कार्य से पहले घर में पानी से भरा मिट्टी का घड़ा रखना स्थिरता और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है.

मछलियों को दाना खिलाना- लगातार 12 शनिवार तक मछलियों को आटे की गोलियां खिलाना धैर्य, अनुशासन और नियमितता बढ़ाने से जोड़ा जाता है.

राशिफल

दिनांक- 22 से 28 फरवरी 2026 तक

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर मो.नं. 098266-21998

साप्ताहिक ग्रहस्थिति- इस सप्ताह सूर्य कुम्भ राशि में, मंगल मकर राशि में ता. 23 को 11/23 दिन से कुम्भ राशि में, बुध कुम्भ राशि में ता. 26 को 10/9 रात से वक्री, वक्री गुरू मिथुन राशि में, शुक्र कुम्भ राशि में, शनि मीन राशि में, राहु कुम्भ राशि में, केतु सिंह राशि में और चन्द्रमा मेष वृषभ मिथुन और कर्क राशि में संचरण करेगा.

ग्रहयोगों का प्रभाव:- ता. 23 को मंगल का कुम्भ में प्रवेश सूर्य बुध राहु और शुक्र के साथ चांदी रूई, में घटा बढ़ी रहेगी और सोना, गुड, खांड, अनाज, दाल में तेजी बनेगी. ता. 26 को वक्रीयां बुध शेयर बाजार में अस्थिरता लाता है, अनाज आदि मंदे होगें, गुड, घी, खाण्ड में तेजी आयेगी.

पर्व-व्रत-त्यौहार :

सोमवार	23 फरवरी को	होलाष्टक प्रारंभ,
मंगलवार	24 फरवरी को	कामदा सप्तमीं
शुक्रवार	27 फरवरी को	आमलकी एकादशी व्रत, रंगभरी एकादशी
शनिवार	28 फरवरी को	गोविंद द्वादशी

मेष

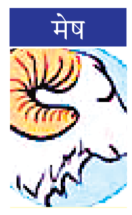

यदि आप अस्वस्थ्य और कमजोर हैं, तो स्वास्थ्य में सुधार होगा, नये पार्टनरशिप के साथ कार्य के लिये समय अनुकूल है, अपने कार्य की क्षमता को पहचानकर कार्य करें, घरेलू मामलों के लिये सप्ताह अच्छा है, सप्ताह के उत्तरार्ध में भाग्य साथ देगा, कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी, लक्ष्य की प्राप्ति के लिये आपको अत्याधिक खर्च और परिश्रम करना पड़ेगा.

वृषभ

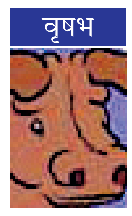

आपके अधिकारी व शुभचिन्तक धन कमाने में आपकी सहायता करेंगे, व्यापार से जुड़े लोग बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं, घरेलू आयोजन आनन्ददायक रहेगा, आप अपने से जुड़े लोगों के साथ संवाद बनाये रखें, सकारात्मक दृष्टिकोण आपको सफलता दिलायेगा, आमदानी में वृद्धि होगी, जीवनसाथी की अपेक्षायें बढ़ेंगी, माता पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें.

मिथुन

अकेले काम का बोझ उठा लेने से आपको नुकसान हो सकता है, अपने सहकर्मियों या अधिनस्थों के कारण कुछ परेशानी हो सकती है, नये कारोबार की शुरूआत ठीक रहेगी, पुरूष गलती को सुधारकर आगे बढ़ें, जीवन आसान हो जायेगा, कार्यक्षेत्र में आप मुश्किलों का डटकर सामना करेंगे, सप्ताह में आपको अपने प्रयासों में अच्छी सफलता मिलेगी.

कर्क

इस सप्ताह सभी लोग आपसे प्रसन्न रहेंगे, अपने घर में आप निर्माण संबंधी कोई सुधार कर सकते हैं, पुराना घर बेचकर नया घर खरीदने पर विचार होगा. अविवाहितों को मनचाहा जीवनसाथी मिल सकता है, धार्मिक यात्रा होगी, छात्रों को कई मुश्किलों का सामना हो सकता है, व्यवसायिक वर्ग को नये अनुबंधों में शामिल होने के पहले गंभीरता से विचार करना चाहिये.

सिंह

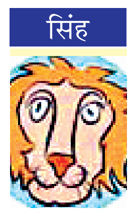

इच्छित सफलता के लिये कार्य योजना में बदलाव संभव है, प्रापर्टी के कारोबार में अच्छा लाभ मिलेगा, व्यापारी आयात निर्यात के कारोबार की शुरूआत कर सकते हैं, आप अतिरिक्त जिम्मेदारी को आसानी से निभा लेंगे, सप्ताह के शुरूआत में आप भ्रमण की स्थिति में रहेंगे, परन्तु धीरे धीरे आप नये आयामों की ओर बढ़ेंगे. वित्तीय स्थिति से संतुष्ट रहेंगे.

कन्या

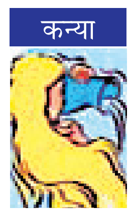

अपने आसपास का माहौल खुशनुमा पायेंगे, मेहमानबाजी में आनन्द महसूस करेंगे, आफिस में आपके खुले विचारों को कोई पसंद नहीं करेगा, अतीत से वर्तमान के साथ सामंजस्य बैठाने की कोशिश करेंगे, शेयर में धन निवेश से परहेज करें, व्यवसाय में सावधानी बरतें, आपसी संबंधों में अनदेखी न करें, संतान की उन्नति होगी, गुमी वस्तु मिलने का योग है.

तुला

आप अपने लक्ष्य को हासिल करने में सफल रहेंगे, घर के सदस्यों के स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ेगा. आस पड़ौस या रिश्तेदारों के साथ संबंध सुधरेंगे, सप्ताह में व्यवसाय व्यापार के विस्तार की संभावना बनती है, अविवाहितों को मनचाहा जीवनसाथी मिल सकता है, मेल मुलाकात उपयोगी रहेगी, अधिनस्थ आपका सहयोग करेंगे.

वृश्चिक

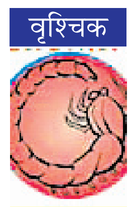

कार्य क्षेत्र में आपको प्रतिभा दिखाने का बेहतर अवसर मिलेगा. आपको उत्तराधिकार का अवसर मिल सकता है, उदारता पर अंकुश रखे तो राहत मिलेगी. छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी, सप्ताह में किसी रिश्तेदार से सुखद समाचार मिलेगा कामकाजी महिलाओं को परेशानी होगी, जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी.

धनु

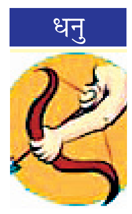

परिस्थिति के अनुकूल विनम्रता अच्छी सफलता दिला सकती है, बहसबाजी और मुंह पर बोलने की आदत पर रोक लगायें, कार्य और व्यापार को सिर्फधन कमाने का साधन ही नहीं समझें, बल्कि प्रतिष्ठा का आधार भी मानें, सामाजिक जिम्मेदारी अच्छे से निभायेंगे, परिश्रम अधिक करना पड़ेगा, कार्यक्षेत्र में प्रभावशाली सिद्ध होंगे.

मकर

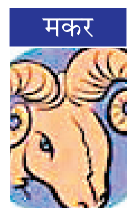

आपको कठिन प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा, निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के लिये अधिकारी दबाव बना सकते हैं, पद प्रतिष्ठा प्राप्ति का योग है, पारिवारिक जीवन में प्रेम आनन्द की अनुभूति मिलेगी, सप्ताह के मध्य विपरीत परिस्थिति से डटकर मुकाबला करना पड़ेगा, आप सही और गलत के बीच उलझ सकते हैं, जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें.

कुम्भ

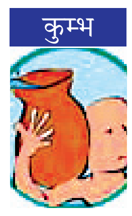

पहले से चले आ रहे कार्य जारी रहेंगे, नये कार्यों में हाथ न डालें, लंबे समय से जिस सफलता की उम्मीद कर रहे हैं, वह मिलेगी, कार्यक्षेत्र में आपको विरोधियों का सामना करना पड़ेगा. जोड़ों का दर्द, बुखार आदि से परेशानी हो सकती है, पारिवारिक कार्यो में सफलता मिलेगी. भावनात्मक संबंधों में निकटता आयेगी, प्रापर्टी से अच्छा लाभ मिलेगा.

मीन

कुछ अच्छे दोस्त बन सकते हैं, जो आगे आपकी मदद कर सकते हैं, घरेलू कार्यो को जिम्मेदारी से करें, टालमटोल की प्रवृत्ति का परिणाम हानिप्रद हो सकता है, घरेलू माहौल खुशनुमा रहेगा, सप्ताह के मध्य बढ़ते हुये खर्च सामने आयेंगे, व्यापार की कार्य योजना का विस्तार होगा, अधिक जल्दबाजी से निर्णय न करना हितकर रहेगा, सत्संग में रूचि बढ़ेगी.